

लोला - कांगड़ा

- प्राचीनतम् रिपर्टर - प्रिहत (भूमि चन्द्र)
- HP में क्षेत्र वंश के संस्थापक - शुश्रामा चन्द्र
कांगड़ा किले की स्थापना कर शहृदानी बनाया
- कांगड़ा का किया - भीमकोट, नगरकोट
- " का सर्वोच्च प्रसिद्ध राजा - संसार चन्द्र (II)
- " आगे बाटा प्रथम युरोपीय - थांगस कारयाट
- हैमसांग - 635 (17 AD) (शब्द आज़दपाल की दराया)
- महाभूद गवर्नरी आक्रमण - 1009
- महाभूद बिन तुगलक - 1337 (पृथ्वी चन्द्र)
- फिरोज शाह तुगलक - 1365 (राजा रघुनंद)
- 1300 पुस्तके ले हाया फारसी अनुवाद के लिए
- तैमूर लंग - 1398
- गुल्मेर रिं इथापना - इरिचन्द्र
- कांगड़ा किले का अंतिम किलेदार - नवाब शैफ अली शबान
- " " " प्रथम किले " - नवाब उमरी शबान
- अद्वितीय शाह दुरानी ने 1759 में जालंधर दोआक्रमण का नियंत्रण बनाया - घंटुद चन्द्र को
- कांगड़ा पर आक्रमण करने वाला पहला सिंह -
- किले पर काला करहे लख्सा सिंह रामगढ़ीया
- में किसी ने संसार चन्द्र की मदद की - लमसिंह कहाया
- Bilaspur के किस राजा ने गोरखा सेनापति अश्वर सिंह धापा को झंसार चन्द्र पर आक्रमण करने के लिए नियंत्रण दिया - राजा गदानन्द ने (longest time period)
- बालाकुर्खी संधि - संसार चन्द्र & गदाराजा रणबीर सिंह
(66 ग्रांड रणबीर सिंह और)
- शाहजहां ने दौर अफगान की उपाधि - मानसिंह को
- नुरपुर - (थागेश - राजपूत छोठपाल)
- लद्दाखीर - अपनी पली के शाख नुरपुर (1622)
- नुरपुर के बलीर इष्ट सिंह पठानिया की भत्यु
कांदा टुक्की - सिंगापुर में
- कांगड़ा में चाप की खेटी - 1849 में दुख
- " " " की पहली फसल - 1850 में दो दी भी
- बालाकुर्खी में - प्राकृतिक गैस अण्डर
- पौंड लग विद्युत परियोजना - वासनदो (महाराजा) प्रताप
सागर - 396 MW
- बादपुर - 10 MW
- बनेर लग विद्युत परियोजना - 12 MW
- ब्रह्मोद्धरी अंदिर को महाभूद गंगायबी में दूषा आ
(गुम्बदाकार ढोली से नियंत्रित)

U.P.S.C.

प्रश्न संख्या
(Question No.)

- कांगड़ा के अन्य प्रमुख भवित्व -
- ब्राह्मणुरी, मस्जिद रोक कट भवित्व (नागर शहरी)
15 भवित्वों का समूह
(हिन्दूचल प्र. का अवलन्ता)
- बैठनाथ भवित्व (प्रिश्वर शहरी)
- भासभूनाथ, बूलराम भवित्व
- HPBOSE का मुख्यालय - धर्मशाला (1989)
- 1977 में पहली बार HPBOSE ने परीक्षा करवाई थी
- 1983 → शिमला से धर्मशाला
- तिब्बत का छोटा लासा - धर्मशाला
- War Memorial - धर्मशाला
- तिब्बत की निवासित सरकार का मुख्यालय - धर्मशाला
- मैक्लोडगंज का निर्माण - 1846 लाई मैक्लोड
- दलाई लामा हिन्दूचल आकर बसे - 1959
- दोभा सिंह आदि गैरिशी - आद्रेटा (कांगड़ा)
- कांगड़ा की प्रमुख आकृतियाँ - सोनी अदिवास, दीर रांझा
- कांगड़ा परिनग - Book of S.S. रंधारा
- संसार चंद ऑफ कांगड़ा - Book of J.C. French.
- निम्नमया तपोबन, हिमालय संदीपनी आकृति - कांगड़ा
- अंगेलों ने कांगड़ा मुख्यालय को धर्मशाला - 1846
- नेटी शाहपुर युद्ध - 1786 (संसार चंद & राजासिंह धर्म)
- लाई शिल्पालय समाधि - धर्मशाला (सेंट जॉन्स चर्च के पास)
- कालेश्वर मेला - कांगड़ा (रात्रि स्तरीय)
- डल मेला - "
- नागरी मेला - "
- प० सेंड - गुरुर रिं का प्रसिद्ध चित्रकार
- विद्य में पहाड़ी स्कूल की प्रसिद्ध चित्रकला - कांगड़ा कला
- इमारिया लोकगृह - कांगड़ा
- लोकगीत - दरी सिंह शालेया, सुलिया टंगोई मेरी जाग,
दोडी (सिवाई गीत)
- अंगोरा - रवरडोग प्रजनन केन्द्र - कन्दवाड़ी
- सड़कों की सर्विधि का नवाई - कांगड़ा
- HP का सबसे बड़ा घरवाई अड्डा - डाटल
- सर्विधि का लघु उद्योग डकाइयाँ - कांगड़ा (दीर्घ- सोलन)
- HP की सबसे बड़ी सिंचाई परियोग्यता - शाह नहर परियोग्यता
- रेशम बिल उत्पादन केन्द्र पातमपुर - का पातमपुर
- कांस उद्योग - कांगड़ा केन्द्रीय वित्ती - धर्मशाला
- सर्विधि का धाव - कांगड़ा National Biological Laboratory
- पायर के बागान - पालमपुर → Palampur
- दिल्ली हिन्दूचल प्रकाशन - मटोर (कांगड़ा) | CSK - Palampur
- सर्विधि का अपराध - कांगड़ा
- " वर्षी - धर्मशाला (3400).
- सबसे दुटा प्रशाशनिक भवन - कांगड़ा